

>

Title: Need to grant special status to Bihar for all round development of the State.

*m01

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, मैं आसन के माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, सम्राट अशोक, विक्रमादित्य, चंद्रगुप्त मौर्य, कौटिल्य और राष्ट्र कवि दिनकर का बिहार, राष्ट्रीय विकास की कतार से बहुत पीछे छूट गया है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: This is not a matter of immediate public importance. It is a general matter. You have participated in the discussion. So, you make your point in one minute. Please be brief.

डॉ. भोला सिंह : महोदय, * मैं भी इस सदन का एक सम्मानित सदस्य हूँ। मैं आसन से अपेक्षा करता हूँ, *

...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You have to take your seat. I will not allow. You have to respect the Chair. You have to take the orders from the Chair. If you want to say anything, you have to complete it in one minute. You cannot have an exception. All the Members are cooperating with the Chair. Please do not use this language. You have to respect the Chair. Please complete it in one minute.

डॉ. भोला सिंह : महोदय, आपका जो भी आदेश है, मैं उसका पालन करता हूँ।

सभापति महोदय, बिहार अंधकार में डूबा हुआ है। 56 हजार करोड़ रुपए के कर्ज में डूबा हुआ है। बिहार की आर्थिक संरचना समाप्त हो गई है। बिहार में प्रत्येक साल बाढ़ और सूखा आया करता है। इसलिए बिहार जिस गति से विकास कर रहा है, अगर इसी गति से विकास करेगा, तो उसे महाराष्ट्र और गुजरात की कतार में आने में 40 वर्ष लगेंगे। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ कि बिहार में जब तक 80 या 85 हजार करोड़ रुपए की योजना नहीं लाई जाएगी और 15 प्रतिशत की दर से अगर बिहार का विकास नहीं होगा, तो बिहार राष्ट्रीय विकास की दर में समान स्तर पर नहीं आ सकता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ कि वह बिहार को एक स्पेशल राज्य का दर्जा प्रदान करे। इन्हीं शब्दों के साथ अपनी बात को समाप्त करता हूँ और आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका आभार प्रकट करता हूँ।

* Not recorded